1 मार्च, 2021

वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को परीक्षण एवं सहायक उपकरण प्रदान करने एवं सरल लोन स्कीम के तहत रजिस्ट्रेशन हेतु कोटा में आयोजित शिविर में भाषण

- मेरे प्यारे साथियो! आज वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की सहायता से परीक्षण एवं सहायक उपकरण प्रदान करने हेतु आयोजित इस शिविर में आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

- **आज के इस शिविर के कई उद्देश्य हैं। उनमें से एक परीक्षण एवं वितरण तो है ही, साथ ही यहां राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम की ओर से दिव्यांगजनों के लिए सरल लोन स्कीम का रजिस्ट्रेशन भी किया जा रहा है। इस बारे में आपको जो भी संबंधित जानकारी चाहिए वह भी उपलब्ध कराई जाएगी।**

- दिव्यांगजन भी देश और समाज के आर्थिक विकास में उतना ही महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं जितना कि सामान्य जन। आवश्यकता है, उन्हें समुचित व्यवस्था एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की।

- **साथियो! जब हम किसी बाग में जाते हैं तो वहां कई प्रकार के पेड़-पौधे और फूल देखते हैं। उनमें सबकी अपनी विशेषता होती है, अपनी सुंदरता होती है। ऐसा ही हम मानवों के साथ भी है। भगवान ने हर व्यक्ति को कुछ विशेष गुण दिए हैं।**

- आज जरूरत इस बात की है कि संवेदनशीलता के साथ हम दिव्यांगजनों के विशेष गुणों को, उनकी विशिष्ट क्षमताओं को, उनकी अनोखी प्रतिभा को समझें और समाज में उन्हें बराबर का अवसर प्रदान करें।

- **यदि उन्हें ऐसे अवसर मिलते हैं तो वह अपनी ऊर्जा और प्रतिभा के माध्यम से समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान कर सकेंगे।**

- साथियो! यह एक दु:खद सच्चाई है कि हमारे समाज में कुछ स्तर पर दिव्यांगों के प्रति भेदभाव की मानसिकता रही है।

- ऐसे भेदभावपूर्ण व्यवहार की बाधा को हम जितनी जल्दी पार कर लें हमारे समाज तथा देश के कल्याण के लिए उतना ही अच्छा होगा।

- **आज पूरी दुनिया के साथ भारत में भी परिवर्तन हो रहा है। लोग भिन्न रूप से सक्षम दिव्यांगों की क्षमताओं का लोहा मान रहे हैं।**

- उनके सामने कई ऐसे उदाहरण हैं जिन्होंने अपनी शारीरिक कमियों को अपने लक्ष्य के आड़े नहीं आने दिया और अपने धैर्य, साहस, प्रतिभा तथा परिश्रम से समस्त मानव जाति को आश्चर्यचकित किया है।

- **जहां इतिहास में महान आध्यात्मिक गुरू अष्टावक्र और संत सूरदास जैसे महान लोगों के बारे में भी हम सभी भलीभांति जानते हैं। साहित्य में मिल्टन और हेलेन केलर जैसे नाम से सभी परिचित हैं। इन लोगों ने सारे विश्व में अपनी प्रतिभा की छाप छोडी है।**

- **वहीं आधुनिक युग में रविंद्र जैन, सुधा चंद्रन, अरुणिमा सिन्हा- ये कुछ ऐसे नाम हैं जिन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि दिव्यांगजनों को पर्याप्त अवसर दिया जाए, उन पर भरोसा जताया जाए तो वे भी जीवन के हर क्षेत्र में शानदार काम कर सकते हैं। यदि लगन, दृढसंकल्प, निष्ठा और कर्मयोग हो, तो हरेक व्यक्ति अपने देश को अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकता है।**

- **देश के विकास के लिए हमें यह ध्यान में रखना होता है कि कोई भी व्यक्ति पीछे न छूट जाए। एक-एक व्यक्ति समाज और देश के लिए asset है। सबका साथ और सबका विकास आवश्यक है।**

- इस संदर्भ में भारत का संविधान हमारा मार्गदर्शन करता है। हमारा संविधान हमें एक ऐसे समावेशी समाज के निर्माण का लक्ष्य देता है जिसमें सभी लोगों को समान अधिकार और अवसर होगा तथा सभी को समान नजरिये से देखा जाएगा।

- समानता का यह अधिकार नए भारत के निर्माण की आधारशिला है एवं इसी के ऊपर हमारे सुनहरे भविष्य का निर्माण सुनिश्चित है।

- **अतः, एक समाज के रूप में हमारा यह सामूहिक कर्तव्य है कि सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और अन्य क्षेत्रों में उनको भागीदारी करने के अवसर उपलब्ध कराएं।**

- **उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उन्हें हर संभव सहायता, समान अवसर एवं सहयोग दिया जाना चाहिए ताकि वे न केवल अपने जीवन के लिए बल्कि समाज के लिए भी अपना बहुमूल्य योगदान दे सकें।**

- सरकार का निरंतर यह प्रयास रहा है कि दिव्यांगजनों को विकास के लिए समुचित अवसंरचना और सुविधायें उपलब्ध करायी जाएं। इस सन्दर्भ में **'सुगम्य भारत'** जैसी योजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

- इसी क्रम में, सरकार द्वारा दिव्यांगों को कम से कम लागत पर सहायता यंत्र/ उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उनके सामाजिक, आर्थिक और व्यावसायिक पुनर्वास को बढ़ावा मिल सके।

- आधुनिक तकनीक के प्रयोग के साथ, कई प्रकार की सहायक यंत्र तैयार किए जा चुके हैं, जो उनके जीवन को आरामदायक बनाने और उनकी क्षमता को बढ़ाने में बहुत सहायक हैं।

- **फिर भी, आर्थिक तंगी के कारण बड़ी संख्या में दिव्यांगजन इन उपकरणों से वंचित रह जाते हैं। विभिन्न सर्वेक्षणों से यह स्पष्ट हो गया है कि कई दिव्यांग जन निम्न आय वर्गों से होते हैं।** यहां, मैं आपको आश्वस्त करना चाहूंगा कि सरकार लगातार इस दिशा में प्रयास कर रही है कि जरूरतमंद लोग सहायता यंत्रों/उपकरणों से वंचित न रहें।

● **इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, सरकार ने 'एडिप' योजना शुरू की है जिसका उद्देश्य सस्ते दरों पर दिव्यांग जनों को उपयुक्त, टिकाऊ, वैज्ञानिक तरीके से बनाए गए, आधुनिक, मानक सहायक यंत्र और उपकरण उपलब्ध कराना है।**

● लेकिन, दिव्यांगों के उत्थान और विकास तब तक पूरी तरह सम्भव नहीं हो पायेगा जब तक कि इसमें जन-भागीदारी न हो। दिव्यांगों की बेहतरी के कार्यक्रम को जन-आंदोलन बनाने की जरूरत है।

● **साथियो, भारत में दिव्यांग अधिकार अभियान तेज़ी से बढ़ रहा है। इस मामले में अन्य विकासशील देशों की तुलना में हमारे देश की नीतियां सबसे अधिक प्रगतिशील हैं।**

● इस संबंध में नई सोच और कार्यक्रमों के बेहतर समन्वय की ज़रूरत है। बेहतर शिक्षा और बेहतर रोजगार की उपलब्धता से दिव्यांगजन भी अन्य लोगों के साथ देश के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे पाएंगे।

● **मित्रो, दिव्यांगजनों को भी अपनी गरिमा के सम्मान का जन्मसिद्ध अधिकार है। उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहायक साधन पाने का हक है। उन्हें आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा पाने का अधिकार है।**

- इनमें उनकी क्षमताओं के अनुसार रोजगार पाने और उपयोगी, उत्पादक और लाभकारी व्यवसाय में संलग्न होने का अधिकार शामिल है। उन्हें सभी सामाजिक, रचनात्मक या मनोरंजक क्रियाकलापों में भाग लेने का अधिकार है।

- **एक समाज के रूप में हमारे कई दायित्व होते हैं। मैं समझता हूं कि हमारा यह परम कर्तव्य बन जाता है कि दिव्यांगों के प्रति होने वाले किसी भी भेदभाव पूर्ण या अपमानजनक व्यवहार को होने से रोकें, उनके शोषण का विरोध करें।**

- साथियो! जीवन की एक सच्चाई यह भी है कि हम सबको एक दिन वृद्ध होना है। आयु बढ़ने के साथ-साथ हमारी शारीरिक क्षमताएं कम होती जाती हैं। कई बार हमारा चलना फिरना किसी दूसरे पर निर्भर हो जाता है। किसी को कम दिखता है तो किसी को कम सुनाई देने लगता है।

- **आय के सीमित साधन के कारण बुजुर्ग लोग अपना ठीक से ध्यान नहीं रख पाते, जबकि उनके जीवन को सरल बनाने के लिए सहायक उपकरणों की बहुत आवश्यकता रहती है। किसी को व्हीलचेयर तो किसी को चश्मे या हियरिंग एड की जरूरत होती है।**

- **आज का कार्यक्रम उनके लाभार्थ उठाया गया एक छोटा-सा कदम है। जहां हम अपने वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों की उत्तम तथा गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।**

- मैं यहां उपस्थित जनता-जनार्दन से भी अपील करना चाहूंगा कि आप सब भी अपने आस-पास जो भी वरिष्ठ नागरिक हों, दिव्यांगजन हों, उनके साथ सहयोगपूर्ण व्यवहार रखें।
- **मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे देश के सभी नागरिक वृद्धों तथा दिव्यांगों के प्रति सम्मान का भाव रखेंगे।**
- आज इस शिविर में आकर, यहां आप सबके बीच एक आदर्श अभियान का, एक सराहनीय प्रयास का हिस्सा बनकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। ईश्वर सबको प्रसन्न रखें, सबको स्वस्थ रखें एवं सभी को ऐसे पुण्य कार्य में सम्मिलित होने एवं सक्रिय भागीदारी निभाने का अवसर प्रदान करे।
- जय हिंद।

———